ई-समाचारपत्र

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर-243122 (उ.प्र.)

ISO 9001:2008

दिसंबर 2017, खण्ड 32, अंक 4

प्रस्तुत अंक में >>>

- सम्मान एवं पुरस्कार
- अनुसंधान उपलब्धियाँ
- संस्थान अनुसंधान समिति-2017
- स्थापना दिवस
- कृषि शिक्षा दिवस
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह
- राजभाषा
- कृषक प्रशिक्षण
- सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं में सहभागिता
- मानव संसाधन विकास
- विशेष कार्य
- परामर्श सेवाएँ
- विशिष्ट अतिथि
- समाचार दर्शन
- स्टाफ वैयक्तिक

डॉ. ए.बी. मण्डल ने दिनांक 01-11-2017 से निदेशक का पदभार सँभाला

निदेशक की कलम से..

भाकृअनुप-केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (भा.कृ.अनु.प.-के.प.अ.सं.) अपनी स्थापना 02 नवम्बर, 1979 से ही अपने क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, भुबनेश्वर के साथ मिलकर अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकीय सहायता प्रदान कर देश में विविधीकृत कुक्कुट उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विविधिकृत कुक्कुट प्रजातियों जैसे जापानी बटेर, टर्की, गिनी फाउल, देशी मुर्गी, बत्तख, लेयर तथा ब्रायलर मुर्गियों के उत्कृष्ट स्टॉक को विकसित करना और उनका प्रसार करना तथा इसके साथ ही कुक्कुट उत्पादों के संरक्षण, मूल्यवर्द्धन, उप-उत्पादों का उपयोग, गुणवत्ता सुनिश्चयन के लिए नवीनतम कुक्कुट प्रसंस्करण प्रोद्योगिकियाँ विकसित करना तथा निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में प्रामाणिक प्रौद्योगिकियों को स्टेकहोल्डरों तक प्रसारित करना आदि संस्थान के अनुसंधान एवं विकास क्रिया कलापों-के प्रमुख कार्य रहे हैं।

यह संस्थान स्नातकोत्तर शिक्षण के एक प्रमुख केन्द्र के रुप में भी उभरकर सामने आया है। इसके अतिरिक्त, इस संस्थान द्वारा कुक्कुट उत्पादन, प्रसंस्करण तथा विपणन के विविध क्षेत्रों में परामर्श एवं प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। संस्थान व्यावसायिक एवं लघु दोनों स्तर के ग्रामीण कुक्कुट क्षेत्रों के स्टेकहोल्डरों की आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रति संवेदनशील है और बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। यह संस्थान राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कुक्कुट पालन के संबंध में उभर रहे मुद्दो के प्रति सजग है एवं समस्या और उनके समाधान के प्रति समर्पित है तथा यह संदर्भीय केन्द्र के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। संस्थान के क्रिया-कलापों एवं प्रमुख उपलब्धियों को इसकी वेबसाइट पर दर्शाया जाता है।

प्रिय पाठकगण, इस ई-समाचारपत्र के माध्यम से मैं आपको इस संस्थान के नवीनतम समाचारों से अवगत कराना चाहता हूँ ।

ए. बी मंडल
निदेशक

सम्मान एवं पुरस्कार

डॉ. संजीव कुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ. अविषेक बिश्वास, वरिष्ठ वैज्ञानिकों को भा.कृ.अनु.प.-एनआईएएनपी द्वारा 28-30 नवम्बर, 2017 के दौरान एनआईएमएचएएनएस कनवेंशन सेंटर, बैंगलोर में आयोजित 34वें इंडियन पोल्ट्री साइंस एसोसिएशन (इप्साकॉन 2017) के वार्षिक सम्मेलन में 28 नवम्बर, 2017 को "फेलो ऑफ इंडियन पोल्ट्री साइंस एसोसिएशन" पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

डॉ. संजीव कुमार

डॉ. अविषेक बिश्वास

संस्थान समाचार

अनुसंधान उपलब्धियाँ

जैवरोधी वृद्धि उन्नायक (एजीपी) का विकल्प

कुक्कुट उत्पादन में जैवरोधी वृध्दि उन्नायकों (एजीपी$_{एस}$) का प्रयोग करने से मानव और पशुओं की जैवरोधक प्रतिरोधकता में वृध्दि हो सकती है। अनौषधीय क्षेत्रों में जैवरोधकों का प्रयोग कम करना समय की मांग है। पशु उत्पादन में जैवरोधकों के प्रयोग को कम अथवा प्रतिबंधित करने तथा उपभोक्ताओं की जागरूकता के मामले में सुरक्षित उत्पाद की मांग को पूरा करने के लिए कुक्कुट उत्पादन में एजीपी$_{एस}$ के स्थान पर फाइटोजेनेटिक आहार योगज अथवा फाइटोबाइटिक्स हो सकते हैं। फाइटो-केमिकल्स आर्गेनिक बायोएक्टिव केमिकल समिश्र होते हैं, जो वनस्पतियों में सहज रूप में ही उपलब्ध होते हैं और स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। ग्रोथ प्रोमोटर के रूप में जैवरोधियों के विकल्प का पता लगाने के लिए यह अध्ययन किया गया है। चार प्रकार की वनस्पतियों (मोरिंगा ओजिफेरा, कर्कम लोंगा, मीठा नीम तथा बेल) की तैलीय पत्तियों को जैवरोधियों के विकल्प के रूप में चयन किया गया । इन वनस्पतियों की सूखी पत्तियों के पाउडर को ब्रायलर मुर्गियों (चार समूहों) के आहार में दो प्रतिशत की दर (भा./ग्रा.) से शामिल किया गया तथा वृध्दि प्रदर्शन, मांसल विशेषताओं, प्रतिरक्षा, रक्त जैव रसायनिक, गट हेल्थ तथा संवेदी मूल्यांकनों से संबंधित विभिन्न प्राचलों को दर्ज कर बिना किसी आहार योगज (केवल आधारीय आहार) के जैवरोधी ग्रोथ प्रोमोटर से तुलना की गई। वृध्दि प्रदर्शन में, जैवरोधी ग्रोथ प्रोमोटर युक्त आहार दिये जाने पर पक्षियों में सर्वाधिक आहार खपत देखी गयी। मोरिंगा लीफ पाउडर से युक्त आहार देने पर सभी चरणों में सर्वाधिक शरीर भार वृध्दि दर्ज की गई तथा फिनिशिंग फेज (4-6 सप्ताह) के दौरान आहार अन्तरण अनुपात कम पाया गया।

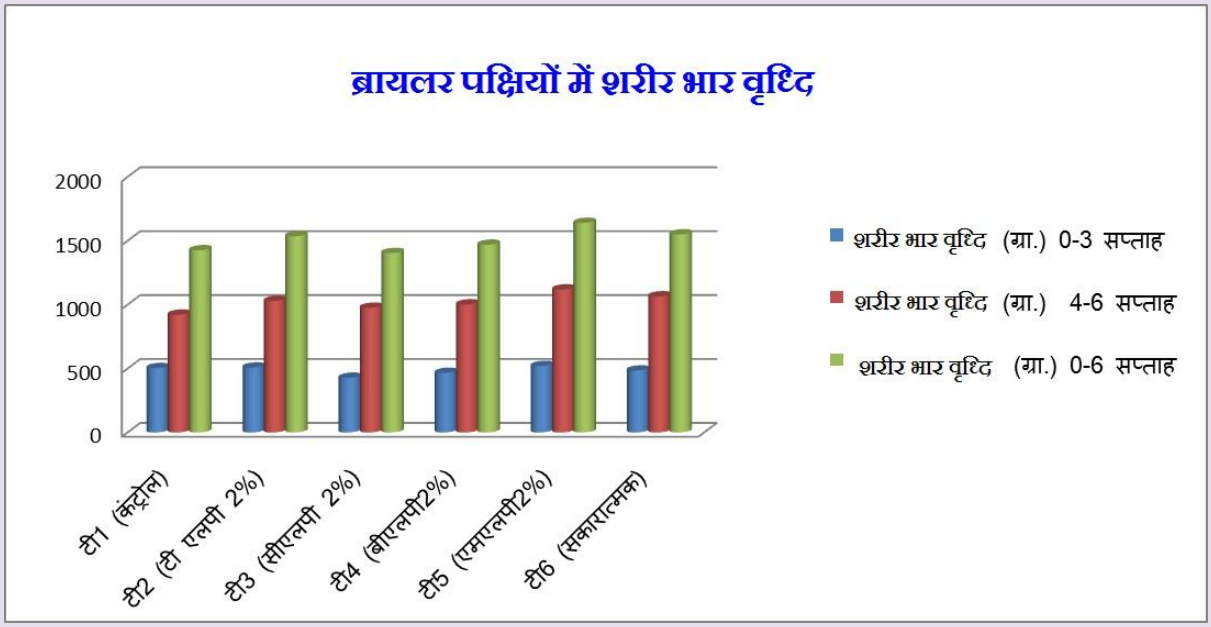

पत्तियों के पाउडर से युक्त सभी आहारों में आधारीय आहार की तुलना में अच्छी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया देखी गई तथा मोरिंगा लीफ पाउडर युक्त आहार में जैवरोधी वृध्दि पाउडर युक्त आहार की अपेक्षा अच्छी प्रतिरक्षा अनुक्रिया दर्ज की गई। इसी प्रकार पत्ती पाउडर युक्त सभी आहारों में जैवरोधी ग्रोथ प्रोमोटरों से युक्त आहार की तुलना में ट्राईग्लाइसराइड तथा कुल कोलेस्टैरॉल कम थे। जैवरोधी ग्रोथ प्रोमोटर अथवा मोरिंगा लीफ पाउडर युक्त आहार में कुल कॉलीफार्म की गणना कम थी। मोरिंगा लीफ पाउडर युक्त आहार में लैक्टोबेसिलस गणना तथा जेजुनल वाइलस लम्बाई अधिक थी। इस प्रकार, शरीर भार वृध्दि, आहार रूपान्तरण अनुपात, प्रतिरक्षा अनुक्रिया, लिपिड प्रोफइल, कॉलीफार्म एवं लैक्टोबेसिलस गणना तथा जेजुनल विलाई लेंथ के मामले में अन्य आहार उपचारों की अपेक्षा 2% मोरिंगा लीफ पाउडर से युक्त आहार का प्रदर्शन अच्छा था। लीफ पाउडर से युक्त अन्य आहारों का भी लिपिड प्रोफाइल एवं कॉलीफार्म गणना को कम करने में प्रदर्शन अच्छा रहा। किन्तु ब्रायलर मुर्गियों के आहार में मोरिंगा लीफ पाउडर को शामिल करने से कुल मिलाकर प्रदर्शन अच्छा था और ब्रायलर मुर्गियों के आहार में एन्टीबायोटिक ग्रोथ प्रोमोटर के हरे एवं सस्ते विकल्प के रूप में इस पर विचार किया जा सकता है।... *एम.एन.शरफ-उद-दिन, दिव्या, अविषेक विश्वास, ए.बी.मण्डल, अशीम के. विश्वास*

माइक्रोसेटेलाइट प्रोफाइलिंग द्वारा रोड आइलैण्ड रेड मुर्गियों में लेयर आर्थिक विशेषकों तथा आनुवंशिक पॉलीमार्फिज्म का संगठित विश्लेषण

भारत में कुक्कुट पालन कृषि क्षेत्र का एक बहुत तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जीनोम में माइक्रोसेटेलाइट्स प्रच्युर संख्या में होते है तथा यादृच्छिक रूप से दोनों क्षेत्रों, कोडिंग के साथ–साथ नॉन कोडिंग में बटॉ होता है। पालिमॉर्फिज्म को संतुलित से उच्च स्तर पर उदघाटित करता है तथा सह-प्रभावशाली वंशानुगत पैटर्न एवं पहचानने में आसान होता है। वृध्दि प्रदर्शन, क्वान्टीटेटिव ट्रेट लोक्स (क्यू टी एल) अनुसंधान, आनुवंशिक समूह विशलेषण तथा जीनोम स्कैनिंग जैसे पॉलीजेनिक विशेषकों के लिए मार्कर सहायक चयन हेतु माइक्रोसेटेलाइट मार्कर सशक्त विधि उपलब्ध कराता है। इसलिए वर्तमान अध्ययन के अन्तर्गत रोड आइलैण्ड मुर्गियों की चयनित नस्लों में वृध्दि विशेषकों पर विभिन्न आनुवंशिक एवं गैर आनुवंशिक तथ्यों के प्रभाव का विश्लेषण करने एवं तथा कुछ वृध्दि-सह युग्म माइक्रोसेटेलाइट लोसाइ पर एलीलिक पॉलीमार्फिज्म एवं वृध्दि विशेषकों के साथ उनके संयोजन का पता लगाने के लिए अनुसंधान कार्य किया गया। आरआईआर नस्ल की चयनित 74 पक्षियों का व वृध्दि संबंधित माइक्रोसेटेलाइट (एमएस) लोसाई पर आनुवंशिक पॉलीमार्फिज्म के लिए परीक्षण किया गया तथा 3.4% मेटाफॉर (आर) एगरोज जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस द्वारा एलीलों को अलग किया गया तथा क्वान्टिटी वन सॉफ्टवेअर का प्रयोग करके जेल डॉक उपकरण की मदद से उनके आकारों का आंकलन किया गया। लैंगिक परिपक्वता की आयु (एएसएम) 20, 32, 36 तथा 40 सप्ताह की आयु पर शरीर भार जैसे वृध्दि विशेषकों के आँकड़े को यादृच्छिक प्रभाव के रूप में प्रजनक में अन्तर को लेकर लीस्ट स्क्वायर विश्लेषण के द्वारा विश्लेषित किया गया। प्रजनक में केवल लैंगिक परिपक्वता की आयु पर उच्च सार्थक प्रभाव (पी< 0.001) था। एलीलिक आँकड़े को पॉपजीन(आर) प्रारूप 1.32 द्वारा विश्लेषित किया गया। विभिन्न पापुलेशन आनुवंशिक प्राचलों को आंकलित किया गया। लोसाई का अध्ययन करने पर कुल 23 एलील देखे गए, जिनकी औसत संख्या प्रति लोसाई 2.56$\pm$29 थी। नौ माइक्रोसेटेलाइट लोसाइ में से आठ में पॉलीमार्फिज्म दिखाई दिया। माइक्रोसेटेलाइटों के विश्लेषण से 1-4 एलील उद्घाटित हुए, जिनके आकार ADL0328 पर 125 बीपी से LEI0071 पर 348 बीपी तक थे। जिनकी बारम्बारता अलग–अलग थी माइक्रोसेटेलाइट, LEI0071, LEI0146 तथा MCW0106 लोसाई में < 0.5 का PIC सूचनात्मक पाया गया, जो आरआईआर मुर्गियों में पॉलीमार्फिज्म तथा जनसंख्या संरचना को निर्धारित करने में लाभदायक हो सकते है। प्रसरण के लीस्ट स्क्वायर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि पठोरो में 20 तथा 32 सप्ताह की आयु पर शरीर भार पर MCW 0106 माइक्रोसेटेलाइट के जीन प्ररूपों का सार्थक प्रभाव होता है। आठ पॉलीमार्फिक एमएस लोसाई में से केवल MCW0106 लोकस पर जीन प्ररूप का विभिन्न वृध्दि विशेषकों में सार्थक अन्तर होता है। AD जीन प्ररूप से सार्थकर रूप से उच्च BW20 तथा BW32 उद्घाटित होता है, जो मार्कर सहायित चयन में उपयोगी साबित होनेकी ओर संकेत करते हैं। यद्यपि, सांख्यिकी रूप से यह सार्थक नहीं हैं किन्तु AD जीन प्ररूपों के साथ पक्षियों में अन्य आयु पर भी उच्च शरीर भार उद्घाटित होता है।... *सोनू कुमार, संजीव कुमार एवं अमिया रंजन साहू*

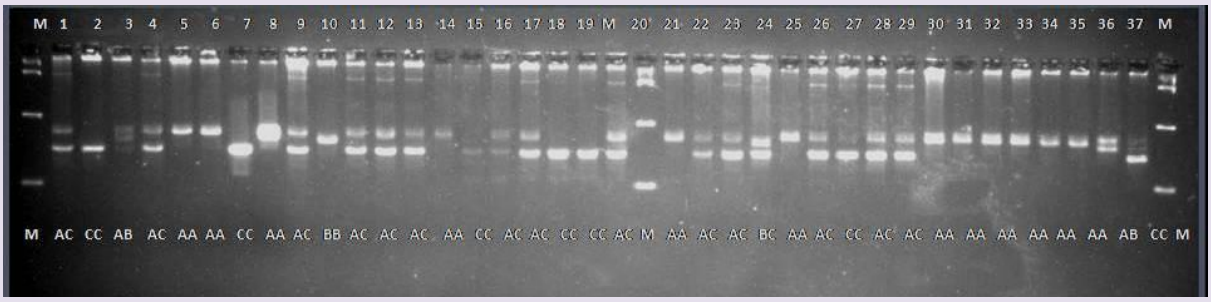

चित्र : आरआईआर मुर्गियों में LEI0071 माइक्रोसेटेलाइट लोकस का एलेलिक प्रोफाइलिंग: (बाएं से दाएं) एम-डीएनए लैडर, 1-37 नमूने। एलील के आकार - A:348; B:332 तथा C: 296 bp. माइक्रोसेटेलाइट LEI 0071 पर आधारित जीनोटाइप प्रत्येक लेन में एम्प्लीकॉन्स के नीचे दिखाए गए हैं।

अन्य क्रिया-कलाप

संस्थान अनुसंधान समिति-2017

मुख्य परिसर, भा-कृ.अनु.प. - के.प.अ.सं., इज्जतनगर

संस्थान की वार्षिक अनुसंधान समिति (आईआरसी) की बैठक डॉ. जगमोहन कटारिया, निदेशक, के.प.अ.सं., इज्जतनगर की अध्यक्षता में दिनांक 12 अक्टूबर, 2017 को संम्पन्न हुई। बैठक में डॉ. विनीत भसीन, प्रधान वैज्ञानिक (एजी एवं बी), भा.कृ.अनु.प., कृषि भवन, नई दिल्ली ने एक विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। डॉ. संदीप सरन, अध्यक्ष, योजना, प्रबोधन एवं मूल्यांकन तथा सचिव, संस्थान अनुसंधान समिति ने बैठक का आयोजन किया, जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों ने भाग लिया । डॉ. संदीप सरन ने अध्यक्ष, डॉ. भसीन तथा बैठक में उपस्थित सभी वैज्ञानिकों का स्वागत किया। उन्होंने संस्थान में चल रही अनुंसधान परियोजनाओं तथा संस्थान में चल रहे ओ एवं एम के सुधार के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। डॉ. कटारिया ने स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने वैज्ञानिकों को पुरस्कारों के लिए आवेदन करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने पर बल दिया तथा जोर देते हुए कहा कि रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान किए गए कार्यो के मूल्यांकन के समय और अधिक समीक्षात्मक होने की आवश्यकता है। अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद संस्थान के प्रभागों/अनुभागों द्वारा क्रमवार अपने-अपने प्रभागों/अनुभागों की प्रस्तुति की गई। गत वर्ष की संस्थान अनुसंधान समिति की सामान्य संस्तुतियों पर संबंधित प्रभागाध्यक्षों/अनुभागाध्यक्षों द्वारा कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा परियोजनावार संस्तुतियों पर संबंधित परियोजना के प्रमुख अन्वेषकों द्वारा कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

क्षेत्रीय केन्द्र, के.प.अ.सं. भुबनेश्वर

क्षेत्रीय केन्द्र, के.प.अ.सं. भुबनेश्वर में वार्षिक अनुसंधान समिति की बैठक डॉ. ए.बी. मण्डल, निदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 20 दिसंबर 2017 को संपन्न हुई, जिसमें क्षेत्रीय केन्द्र के सभी वैज्ञानिकों ने भाग लिया। डॉ. एम.के. पाधी, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, क्षेत्रीय केन्द्र ने निदेशक एवं बैठक में उपस्थित सभी वैज्ञानिकों का स्वागत किया। डॉ. संदीप सरन, सचिव, संस्थान अनुसंधान समिति ने संस्थान में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं तथा ओ एवं एम सुधारों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। डॉ. मण्डल ने अध्यक्षीय संबोधन में वैज्ञानिकों से कहा कि परिषद द्वारा मांगी गई सूचनाओं के बारे में और अधिक सतर्क होने की आवश्यकता है तथा उपलब्ध सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय केन्द्र में अनुसंधान अवसंरचनाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए जायं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय केन्द्र में बल्तख स्टॉक का पुन: सृजन किया जाय। वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधानरत परियोजनाओं की प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया, जिन पर बैठक के दौरान समीक्षात्मक चर्चा हुई।

संस्थान का स्थापना दिवस

संस्थान के 39वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 02 नवम्बर, 2017 को कुक्कुट पालन से संबंधित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान में विकसित विभिन्न कुक्कुट जनन-द्रव्य, प्रौद्योगिकियों तथा अन्य क्रिया-कलापों को प्रदर्शित किया गया। महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेल खण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, दिल्ली पाब्लिक स्कूल, बी.बी.एल. पब्लिक स्कूल, विष्णु इंटर कॉलेज, गुलाब राय इंटर कॉलेज तथा अन्य अनेक स्कूलों के छात्रों एवं संकाय सदस्यों तथा बरेली के आस-पास तथा दूर-दराज से आए कुक्कुट पालकों एवं उद्यमियों ने कार्यक्रम में अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। सहभागियों को कुक्कुट व्यवसाय से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। डॉ. एस.सी. गुप्ता संयुक्त निदेशक (रोग नियंत्रण) एवं संयुक्त निदेशक (प्रशासन) तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने राज्य सरकार द्वारा संचालित कुक्कुट पालन से संबंधित विभिन्न योजनाओं/स्कीमों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित जनन-द्रव्य एवं प्रौद्योगिकियों की सराहना की तथा हर संभावित तरीकों से कुक्कुट पालकों की हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया । संस्थान के निदेशक डॉ. ए.बी. मण्डल ने संस्थान के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और विकास के बारे में बताया। उन्होंने युवकों तथा छात्रों से पशुचिकित्सा विज्ञान, पशु एवं कुक्कुट विज्ञान के क्षेत्र में भी अपना कैरियर चुनने के लिए कहा । इसके अतिरिक्त कुक्कुट पालकों तथा उद्यमियों को हर प्रकार से तकनीकी सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर तीन प्रगतिशील कुक्कुट पालकों –श्री अनुज अग्रवाल, श्री अफजल तथा श्रीमती यासमीन को पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कई पूर्व निदेशकों एवं सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों ने भाग लिया। डॉ. संजीव कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का संयोजन तथा अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. समीर मजुमदार ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। श्री पारस नाथ यादव, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में सभी अधिकारियों तथा स्टाफ सदस्यों का सहयोग रहा, जिसमें वैज्ञानिकों में डॉ. संदीप सरन, डॉ. प्रवीण त्यागी, डॉ. प्रमोद त्यागी, डॉ. ए.एस. यादव, डॉ. एस.के. भान्जा, डॉ. चन्द्र देव एवं डॉ. दिव्या तथा तकनीकी स्टाफ में श्री शफीक अहमद तथा श्री एस.आर.मीना का विशेष सहयोग रहा ।

कृषि शिक्षा दिवस

भारतीय संघ के प्रथम कृषि मंत्री तथा भारत के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म दिवस को "कृषि शिक्षा दिवस" के रूप में मनाया गया। इस उपलक्ष्य में संस्थान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्कूल तथा कॉलेज के छात्रों में कृषि, पशु विज्ञान, पशु चिकित्सा विज्ञान तथा विज्ञान की अन्य सहयोगी शाखाओं में अभिरूचि विकसित करना एवं कृषि को व्यवसाय एवं अनुसंधान कैरियर के रूप में चुनना अथवा कृषि क्षेत्र में कृषि –उद्यमी के रूप में स्थापित करना था।

विभिन्न स्कूलों/कॉलेजों जैसे-गुलाब राय इंटर कॉलेज, विष्णु इंटर कॉलेज, सैक्रेड हॉर्ट्स स्कूल, जीआरएम स्कूल, केडीएम इंटर कॉलेज, माधवराव सिंधिया पब्लिक सकूल, बीबीएल पब्लिक स्कूल आदि से लगभग 200 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिनमें अनेकों छात्र –छात्राएँ अपने अभिभावकों के साथ आये थे। इसके अतिरक्त, बहेड़ी, बाकरगंज तथा बरेली के आस-पास के क्षेत्रों से किसान, कुक्कुट पालक तथा कृषि उद्यमियों तथा संस्थान के स्टाफ सदस्यों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने अत्यंत उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. संजीव कुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस संस्थान द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों एवं प्रजातियों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर बरेली जनपद की जिला उद्यान अधिकारी सुश्री पूजा, कृषि स्नातक तथा कृषि व्यवसाय में एमबीए एवं डॉ. आभा दत्त, पशु-चिकित्सा अधिकारी विशिष्ट अतिथि थी। उन्होंने कृषि, कृषि व्यवसाय, मत्स्य पालन, पशु चिकित्सा विज्ञान, औषधि उद्योग तथा कृषि उद्योग आदि के बारे में कैरियर की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। सभी सहभागियों ने अत्यंत रूचि से प्रदर्शनी में भाग लिया। सभाकक्ष में उपस्थित छात्रों तथा आम लोगों के लिए एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। संस्थान के स्नातकोत्तर छात्रों ने पशु-चिकित्सा पाठ्यक्रम के चयन तथा उससे प्राप्त होने वाले अवसरों के बारे में बताया। दो कुक्कुट उद्यमियों - श्रीमती यास्मीन तथा श्री अफजल ने कुक्कुट व्यवसाय तथा उससे होने वाले लाभ के बारे में अपने अनुभव बताये। डॉ. ए.बी. मण्डल ने 03 दिसंबर के महत्व के बारे में बताया तथा युवा पीढ़ी/ छात्रों को पशु चिकित्सा विज्ञान, कृषि, डेयरी साइंस तथा मत्स्य पालन आदि पेशे के लिए आमंत्रित किया तथा कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान आधारित व्यवसायों को अपनाने के लिए आह्वान किया। डॉ. एस.के. भान्जा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन श्री पारस नाथ यादव, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया। डॉ. समीर मजुमदार, डॉ. संदीप सरन, डॉ. सिम्मी तोमर, डॉ. दिव्या, डॉ. चन्द्र देव तथा अन्य वैज्ञानिकों एवं स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम को आयोजित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

- भा.कृ.अनु.प.-के.प.अ.सं., इज्जतनगर में दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 से "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित वाद –विवाद प्रतियोगिता में डॉ. गौतम कोलूरी को प्रथम, डॉ. मंजूर वानी को द्वितीय तथा डॉ. सागर पोपट को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
- केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में आयोजित "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" के दौरान डॉ. संजीव कुमार प्रधान वैज्ञानिक ने व्याख्यान दिया।

राजभाषा

- संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 05 दिसंबर, 2017 को संपन्न हुई ।
- संस्थान में दिनांक 29-12-2017 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कृषक प्रशिक्षण

संस्थान में दिनांक 18-23 दिसंबर, 2017 के दौरान किसानों के लिए एक लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं में सहभागिता

अंतर्राष्ट्रीय

- डॉ. एम. गोपी, वैज्ञानिक ने बैंकाक, थाईलैण्ड में 11-12 अक्टूबर, 2017 के दौरान आयोजित "5वीं इंटेस्टाइनल हेल्थ साइंटिफिक इंटरेस्ट ग्रुप पोल्ट्री गट हेल्थ संगोष्ठी" में भाग लिया तथा अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

- राष्ट्रीय पशु चिकित्सा विज्ञान आकादमी (भारत) के गवर्निंग कौंसिल के मेम्बर डॉ. संजीव कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने एसवीवीयू, तिरूपति में 4-5 नवम्बर, 2017 के दौरान आयोजित 16वें दीक्षांत समारोह एवं वैज्ञानिक सम्मेलन में भाग लिया।
- डॉ. दिव्या, प्रधान वैज्ञानिक ने वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद–केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (उ.प्र.) में 27-29 नवम्बर, 2017 के दौरान आयोजित "आईडेन्टीफिकेशन एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ फाइटोकेमिकल्स यूजिंग एचआरएमएस इन्ट्रूमेंट्स" नामक कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. ए.बी. मण्डल, डॉ. संजीवकुमार, डॉ. संदीप सरन, डॉ. राजनारायण, डॉ. सिम्मी तोमर, डॉ. सी.के. बेउरा, डॉ. चन्द्रहास, डॉ. जे.जे. रोकाड़े तथा डॉ. एम. गोपी ने एनआईएमएचएएनएस कनवेंशन सेंटर, बैंगलूर में 28-30 नवम्बर, 2017 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-एनआईएएनपी द्वारा आयोजित इंडियन पोल्ट्री साइंस एसोसिएशन (इप्साकॉन, 2017) के 34वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
- डॉ. जे.जे. रोकाड़े, वैज्ञानिक ने एनआईएमएचएएनएस कनवेंशन सेंटर, बैगलूर में 28-30 नवम्बर, 2017 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-एनआईएएनपी द्वारा आयोजित इंडियन पोल्ट्री सांइस एसोसिएशन (इप्साकॉन, 2017) के 34वें वार्षिक सम्मेलन के एक सत्र में रिपोर्टियर के रूप में कार्य किया ।

मानव संसाधन विकास

- श्री सत्य राम मीना, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्री कमल कुमार वर्मा, कार्यालय सहायक तथा श्री प्रशांत पनवार, कनिष्ठ लिपिक ने भा.कृ.अनु.प.-भा.प.चि.अनु.प., इज्जतनगर में 21-23 अक्टूबर, 2017 के दौरान आयोजित "ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन वर्किंग विद एमएस एक्सेल" में भाग लिया।
- डॉ. जयदीप जे.रोकाड़े, डॉ.गौतम कोलूरि तथा डॉ. एम. गोपी ने भा.कृ.अनु.प.-भा.प.चि.अनु.प., इज्जतनगर में 26-28 अक्टूबर, 2017 के दौरान "वर्किंग विद एमएस एक्सेल" विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

विशेष कार्यभार

- डॉ. संजीव कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने रिसोर्स पर्सन के रूप में सीआईआरसी, मेरठ में ''ओमिक टेक्नोलोजीज एण्ड मॉडर्न ब्रीडिंग एप्रोचेज फार कन्जर्वेशन एण्ड प्रोडक्टिविटी इन्हान्समेंट ऑफ इंडीजेनस कैटिल'' विषय पर आयोजित भा.कृ.अनु.प. के विंटर स्कूल के प्रतिभागियों के लिए दिनांक 12 नवम्बर, 2017 को ''रोल ऑफ फंक्शनल जीनोमिक्स इन प्रोडक्टविटी इन्हान्समेंट ऑफ इंडीजेनस कैटिल रिसोर्सेस" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. एस.के. भान्जा, प्रधान वैज्ञानिक ने भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, नई दिल्ली-110002 में दिनांक 14 नवम्बर, 2017 को आयोजित पशु पालन, फीड तथा इक्विपमेंट सेक्शन कमेटी, एफएडी-5 की 17 वीं बैठक में भाग लिया।
- डॉ. संजीव कुमार, प्रधान वैज्ञानिक को पीएचडी (ए.जी. एडं बी.) छात्रों के लिए कम्प्रेहेसिव इक्जामिनेशन आयोजित करने हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया तथा उन्होंने दिनांक 20 नवम्बर, 2017 को राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में उक्त परीक्षा आयोजित कराई।
- डॉ. संजीव कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने रिसोर्स पर्सन के रूप में जीएडीवीएएसयू, लुधियाना में ''इम्ब्रियो ट्रांसफर ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर इम्प्रूव्ड कॉफ प्रोडक्शन इन डेयरी फार्मिंग'' विषय पर आयोजित एमटीसी में दिनांक 21 नवम्बर, 2017 को ''जेनेटिक मार्कर्स बेस्ड असेसमेंट ऑफ रिप्रोडक्टिव हेल्थ ऑफ कैटिल फॉर इफीसिएन्ट इम्ब्रियो ट्रांसफर'' नामक विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. संदीप सरन, प्रधान वैज्ञानिक को पत्र सं. 6-8/रिक्रूट/टेक/2015/इस्ट/ 2960-63 दिनांक 24 नवम्बर, 2017 के माध्यम से संस्थान में टी-3 पद के लिए सीधी भर्ती हेतु स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष नामित किया गया।

परामर्श सेवाएँ

डॉ. संदीप सरन, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा निम्नलिखित ग्राहकों को परामर्श सेवाएँ प्रदान की गयी:-

- कंट्रैक्चुअल ब्रायलर फार्मिंग के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु श्रीमती शकुन यादव पत्नी श्री एमपीएस यादव, 84, आशीष रायल पार्क, बरेली

- ब्रायलर पालन के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु श्री सुरेन्द्र पॉल, ग्राम–शिव नगरिया, डाक- याकूबगंज, बहेड़ी, बरेली।
- ब्रायलर पालन के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु श्री योगेन्द्र पाल सिंह ग्राम व डाकखाना-बाकीपुर, अहमदपुर, बरेली।

गणमान्य अतिथि

- डॉ. एस.सी. गुप्ता, संयुक्त निदेशक (रोग नियंत्रण) एवं संयुक्त निदेशक (प्रशासन) उ.प्र., पशु पालन विभाग, लखनऊ दिनांक 02 नवम्बर, 2017 को संस्थान के स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे। डॉ. गुप्ता ने संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं अन्य कार्य-कलापों की सराहना की तथा इस अवसर पर प्रगतिशील कुक्कुट किसानों को पुरस्कार भी प्रदान किया।

- सुश्री पूजा जिला उद्यान अधिकारी, बरेली दिनांक 03 दिसंबर, 2017 को संस्थान में आयोजित "कृषि शिक्षा दिवस" समारोह में विशिष्ट अतिथि थीं। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना की तथा विभिन्न स्कूलों/ कॉलेजों के संकाय सदस्यों तथा छात्रों को सम्बोधित करते हुए कृषि एवं इससे सम्बध्द विज्ञानों पर प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- डॉ. आभा दत्त, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, बरेली दिनांक 03 दिसंबर, 2017 को संस्थान में आयोजित "कृषि शिक्षा दिवस समारोह" में विशिष्ट अतिथि थीं। डॉ. आभा दत्त ने विभिन्न स्कूलों/ कालेजों के संकाय सदस्यों तथा छात्रों के लिए एक प्रेरक व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान को अपना कैरियर चुनने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पशु-चिकित्सा, डेयरी, मत्स्य पालन, कृषि एवं इससे सम्बध्द विज्ञानों में कैरियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

समाचार झलकियाँ

अक्टूबर-दिसंबर, 2017 की अवधि के दौरान दैनिक तथा राष्ट्रीय समाचार पत्रों में संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं कार्यकलापों को प्रकाशित कर सराहा गया।

स्थापना दिवस में दिखी सीएआरआई की विकसित तकनीकें, नई तकनीकों और बीमारियों पर लगाम लगने से बढ़ेगा अंडे का उत्पादन

एक करोड़ अंडा रोजाना होगा उत्पादन तब बनेगी बात, अभी लक्ष्य से आधे

50 लाख अंडे का रोजाना उत्पादन है प्रदेश में

20 लाख ही थी 6 साल पहले यह संख्या

कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गे रहे आकर्षण का केंद्र

सीएआरआई से प्रोजेक्ट लेकर जाएंगे तो मिलेगी प्राथमिकता

स्कूली बच्चों ने देखी सीएआरआई की तकनीकें

हिन्दुस्तान, 3.11.2017

सिटी लाइव

अब तो मुर्गी पालने के तरीके भी बताएगा मोबाइल एप

काफी आसान होगा एप चलाना

एप में सीएआरआई की विकसित सभी तकनीकें

कुक्कुट पर शोध में अहम रोल

हिन्दुस्तान, 22.11.2017

सीएआरआई में मनाया गया कृषि शिक्षा दिवस, इसमें पहुंचे छात्र, शिक्षक और किसानों ने जानीं कई महत्वपूर्ण बातें

किसानों-बच्चों ने नजदीक से देखी बटेर टर्की की नई प्रजातियां

सीएआरआई में मनाया गया कृषि शिक्षा दिवस, पहुंचे छात्र, शिक्षक और किसान।

हिन्दुस्तान, 4.12.2017

विद्यार्थियों ने समझीं खेती और पोल्ट्री फार्मिंग की बारीकियां

आईवीआरआई में हुए कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे विद्यार्थी।

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

अमर उजाला, 4.12.2017

कड़कनाथ दे रहा पोल्ट्री उद्योग को संजीवनी

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

कड़कनाथ से क्रॉस करके 210 अंडे दे रही देसी मुर्गियां

मेडीशनल वैल्यू के चलते अधिक है इस पक्षी की मांग

यूपी के साथ ही हरियाणा, उत्तराखंड में हो रहा सप्लाई

ये है कड़कनाथ

ऐसे मिले बेहतर परिणाम

अमर उजाला, 5.12.2017

खाइए प्रोटीन से भरा चिकन मीट बाइट

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

हर्बल मिक्सचर की मदद से तैयार

हिन्दुस्तान, 13.12.2017

SUNDAY HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI DECEMBER 24, 2017

Gift from CARI: Smaller turkey for Christmas feast

SIZE REDUCED TO HALF

हिन्दुस्तान टाइम्स, 24.12.2017

दो साल तक चले अनुसंधान के बाद वैज्ञानिकों ने पाई सफलता, अब बीमारी प्रतिरोधी गुणों को टर्की में विकसित कर रहे

अरे वाह, सीएआरआई ने बनाई मुर्गे जैसे आकार वाली टर्की

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

पौष्टिक मांस में वसा और कोलेस्ट्रॉल बेहद कम

हिन्दुस्तान, 24.12.2017

अब 'मीट वेफर्स' का भी मिलेगा स्वाद

दैनिक जागरण, 26.12.2017

स्टाफ वैयक्तिक

पदोन्नति

- श्री राकेश कुमार भारती, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 01-01-2014 से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया।
- श्री हरीश कुमार सागर, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 01-01-2015 से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया।
- श्री अजय दास, वरिष्ठ तकनीशियन को दिनांक 01-05-2017 से तकनीकी सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया।
- श्री ए.के. झा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक को दिनांक 10-01-2017 से तकनीकी अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया।
- श्री प्रदीप कुमार, तकनीशियन को दिनांक 09-01-2017 से वरिष्ठ तकनीशियन के पद पर पदोन्नत किया गया।
- श्री राकेश जैसवारा, तकनीकी सहायक को दिनांक 20-01-2017 से वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया।

सेवानिवृत्ति

- डॉ. जगमोहन कटारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प. - के.प.अ.सं., इज्जतनगर अपनी सेवा से दिनांक 31-10-2017 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री शैलेन्द्र भटनागर, मुख्य तकनीकी अधिकारी अपनी सेवा से दिनांक 31-12-2017 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्रीमती बिमला देवी, कार्यालय सहायक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद 31-12-2017 को सेवानिवृत्त हुई।
- श्री काली चरन, कुशल सहायक कर्मचारी अपनी सेवा से दिनांक 31-12-2017 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री अनोखे लाल, कुशल सहायक कर्मचारी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद दिनांक 31-12-2017 को सेवानिवृत्त हुए।

स्थानान्तरण

- श्री पंचू लाल, प्रशासनिक अधिकारी ने भा.कृ.अनु.प. - भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर से स्थानान्तरित होने के बाद दिनांक 20-12-2017 को भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्ज्तनगर में कार्यभार ग्रहण किया।
- इस संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री हरतेश कौशिक का दिनांक 31-12-2017 को भा.कृ.अनु.प.-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के लिए स्थानान्तरण हो गया।

निदेशक
भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान,
इज्जतनगर-243122 (उ.प्र.) भारत

ईपीवीएक्स: +91-581-2300204, 2301220,2303223, फैक्स: +91-581-2301321
ई-मेल: cari_director@rediffmail.com वेबसाइट: www.icar.org.in/cari/index.html

क्षेत्रीय केन्द्र के.प.अ.सं.
जोकालुण्डा, कलिंग स्टूडियो के सामने,
भुबनेश्वर-751003 (ओड़िशा)
फोन: +91-674-2386870, 2386251; फैक्स: +91- 674-2564950

की ओर से
संस्थान प्रकाशन प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित

संस्थान प्रकाशन प्रकोष्ठ
मुख्य संपादक
डॉ. संजीव कुमार

संपादकीय मण्डल

डॉ. संदीप सरन	डॉ. चन्द्र देव
डॉ. एस.के.भान्जा	डॉ. दिव्या
डॉ. असीम कुमार बिस्वास	डॉ. अविषेक बिस्वास
डॉ. जयदीप जे. रोकड़े	डॉ. एम. गोपी
श्री पारस नाथ यादव	श्री एस.आर. मीना